मेरी क्लास का हैंडसम लड़का - गे स्टोरी

“लड़का होते हुए भी मुझे लड़कों में रूचि थी. मैं हैंडसम लड़कों में देखता कि किसकी बॉडी अच्छी है. मेरी क्लास के एक लड़के से मुझे प्यार हो गया. लेकिन उसने मुझपर कोई ध्यान नहीं दिया. …”

Story By: अंसार (pds)
Posted: Friday, March 1st, 2019
Categories: गे सेक्स स्टोरी
Online version: मेरी क्लास का हैंडसम लड़का - गे स्टोरी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी क्लास का हैंडसम लड़का - गे स्टोरी

हैलो फ्रेंड्स, उम्मीद है, आप सब लोग ठीक होंगे.

सबसे पहले मैं अपने बारे में बता देता हूं, मेरा नाम अंसार है. मेरी उम्र 18 साल है, फिजिकली में गोलमटोल हूं. वैसे तो मैं नॉर्मल लड़कों की तरह ही हूं, लेकिन पता नहीं मुझे लड़कों में बहुत इंटरेस्ट था.

मैं सारा दिन हैंडसम लड़कों और आसपास घूमते फिरते लोगों में देखता कि किसकी बॉडी अच्छी है. मुझे अच्छी बॉडी वाले लड़के बहुत पसंद आते हैं.

यह बात उस समय की है, जब मैं 12 वीं कक्षा में पढ़ता था. मैंने पास के स्कूल में ही प्लस टू क्लास में दाखिला ले लिया. वह एक बॉयज स्कूल था.
मैंने स्कूल जाना चालू कर दिया.

मुझे वहां पर कोई नहीं जानता था. पहले मेरे एक दो फ्रेंड्स थे, बाद में सभी से लीनियर हो गया और बहुत सारे फ्रेंड्स बन गए. बहुत से लड़के अच्छी बॉडी वाले थे, पर मैंने किसी पर ध्यान नहीं दिया.

अगले दिन मुझे एक लड़का दिखाई दिया. वह मेरी क्लास में ही था, उसका नाम साहिल था.
मैंने उसे हैलो बोला, उसने भी हाय बोला. फिर हमारी बातें शुरू हो गईं.

उसने बताया कि वह पास के गांव का ही है, जो यहां से 15 किलोमीटर दूर है. उसकी बॉडी भी बहुत अच्छी थी.

बातों ही बातों में उसने बताया कि उसे मॉडलिंग और एक्टिंग का बहुत शौक है. वह सारा दिन एक्टिंग करता रहता था.

पता नहीं उसे देखते ही मुझे क्या हो जाता था. जब वह पास आता तो मेरी हार्टबीट अचानक दौड़ने लग जाती. उसकी किलर स्माइल दिल खुश हो जाता था और मन में अजीब सी सनसनाहट पैदा हो जाती.

मैंने उसे फेसबुक पर रिक्वेस्ट डाल दी और उसका व्हाट्सैप नंबर भी ले लिया. हमारी कुछ दिन बात हुई.

मैं सारा दिन उसी के बारे में सोचता रहता था. मैंने उसकी प्रोफाइल की हर फोटो देखी और उससे प्यार हो गया. मैंने उसे लाइन मारी, पर वह इग्नोर कर देता था या फिर उसे समझ नहीं लगी कि मैं क्या चाहता हूं.

ऐसे ही उसकी याद में कई दिन निकल गए. साल खत्म होने को आ रहा था. मैंने उसे कई बार प्रपोजल भी भेजा, लेकिन वह हमेशा मजाक में टाल देता था. उसको मेरी फीलिंग्स का पता ही नहीं चला.

वह मजाक में मुझे 'आई लव यू …' भी बोल देता था, पर वह बिल्कुल भी सीरियस नहीं था. हर बार मजाक करता था. उसे लड़कियां बहुत पसंद थी. वह सारा दिन मेरे पास होते हुए भी मुझे नहीं समझा.

स्कूल में फेयरवेल की तैयारियां शुरू हो गईं. हमने पार्टी बहुत एंजॉय की और डांस भी किया.

उसी दिन साहिल और उसके दो फ्रेंड्स के साथ शूट पर गया. मेरा ध्यान सिर्फ साहिल पर था, पर वह साला भाव नहीं देता था. मैंने उसे 2 बार फिर प्रपोजल भेजा और उसे हग भी

किया, लेकिन अब भी वो सीरियस नहीं था.

पार्टी के बाद स्कूल वालों ने हमें फ्री कर दिया. कुछ बच्चे पार्टी के बाद भी स्कूल आने लगे. मैं और साहिल भी स्कूल जा रहे थे.

एक दिन जब साहिल स्कूल आया तो उसे देखते ही मेरी बॉडी में करंट दौड़ने लगा.

अगले दिन हम सभी मंदिर गए. मैंने भगवान से उसका प्यार ही मांगा था. वह काफी रोमांटिक था, पर मेरे साथ नहीं. एक दिन मैंने साहिल से किस मांगी, पर उसने मेरा दिल तोड़ दिया. मुझे बहुत गुस्सा आया, पर उसकी स्माइल हर बार मेरा दिल जीत लेती.

दो-तीन दिन बाद हमने पिक्चर देखने का प्लान बनाया.
हम 8 फ्रेंड थे और पिक्चर देखने के लिए निकल गए. सिनेमा पहुंचे, तो वहां ज्यादा भीड़ नहीं थी. बहुत कम लोग थे.

वेलकम टू न्यूयॉर्क फिल्म लगी हुई थी. मेरे फ्रेंड आगे बैठ गए और साहिल मेरे साथ वाली कुर्सी पर बैठ गया.
वह मेरे साथ जफ्फी डाल कर बैठ गया. मेरा मेरा मन गदगद हो उठा. वह मुझे अजीब सा टच कर रहा था और काफी रोमांटिक हो गया था. वह मुझे अजीब-अजीब इशारे कर रहा था.

फिल्म खत्म हुई और सब निकलने लगे मैंने उससे 'आई लव यू …' बोला और किस करने को पूछा, पर उसने इस बार फिर मेरा दिल तोड़ दिया. मैं उससे प्यार करता था, इतना हक तो था मेरा. मैं मायूस होकर घर चला गया.

अगले दिन वह स्कूल नहीं आया और मैं उसे सारा दिन मिस करता रहा. उसे मेरी फीलिंग्स की बिल्कुल भी कदर नहीं थी. फाइनल एग्जाम शुरू होने को आ गए थे. मैं सोचता था कि

कहीं मेरे प्यार में ही कमी है.

आखिर फाइनल एग्जाम शुरू हो गए. पहले पेपर वाले दिन उसने वाइट टी शर्ट और पैंट पहनी हुई थी, टी शर्ट हाफ बाजू की थी.
वह बहुत सेक्सी लग रहा था. मैंने उसकी काफी तारीफ की और उसने थैंक यू भी बोला, वह बहुत खुश था, पर एग्जाम करके वह नर्वस भी लग रहा था.

मैंने उसे 'आई लव यू..' बोला, पर उसने कोई जवाब नहीं दिया. अब मैं उसकी चुप्पी को क्या समझूं. मैं हमेशा उसे पटाने की कोशिश करता रहता. मैं जब मैं मंदिर जाता, सिर्फ साहिल को ही मांगता, पर मेरा सच्चा प्यार उस पार नहीं लग रहा था.

धीरे-धीरे एग्जाम्स भी खत्म हो गए. ना वह मुझसे मिला, ना मैं उससे मिला. मैं आशा करता हूं कि जब भी वह मुझसे मिलेगा, मेरा प्यार इतना ही रहेगा बिल्कुल भी नहीं घटेगा.

मुझे तो लगा था कि मेरे सच्चे प्यार का अंत हो गया, पर नहीं मेरी जिंदगी में एक नया मोड़ आया और शायद भगवान भी यही चाहता था. हो सकता है कि भगवान को मेरे पर तरस आ गया हो.

एक दिन साहिल मुझसे मिला, वह काफी बदला बदला सा लग रहा था. हम लोग ही रेस्टोरेंट चले गए, हमने आर्डर किया और आर्डर आने का वेट करने लगे. वह मेरी तरफ ही देख रहा था, वह पहले से ज्यादा खुश लग रहा था. पता नहीं क्या हो गया उसे. आज मेरा रोने को दिल कर रहा था.

इतने में वेटर जूस और केक दे गया. वह मेरी तरफ बार-बार देख कर स्माइल कर रहा था.
मैंने साहिल से पूछा कि क्या हुआ ?
वह बोला- कुछ नहीं.

तो मैंने कहा- फिर स्माइल क्यों कर रहे हो ?
वह बोला- तुझे मेरी स्माइल अच्छी लगती है ना.. इसीलिए मैं तेरे लिए स्माइल कर रहा हूं.
मेरा मूड एकदम चेंज हो गया. मुझे बहुत खुशी हुई कि मेरे प्यार का असर उस पर होने लग गया था.

वो मुझे बार-बार किसी ना किसी बहाने टच कर रहा था. मुझे बहुत अच्छा लग रहा था, पर ऐसे रेस्टोरेंट में अच्छा नहीं लगता.
अब तो लगता था कि साहिल भी मुझ से प्यार करने लगा. अब यह तो भगवान ही जाने यह क्या हो गया उसे.
उसने पूछा कि क्या करना है आगे ?
मैं बोला- जो तुम चाहो, मैं सब कर सकता हूं.
वह बोला- पगले, मैं स्टडीज की बात कर रहा हूं.

उसके मुँह से यह बात सुनते में शर्मा कर मुँह नीचे करके बैठ गया और वह मुस्कुरा रहा था.
मैंने कहा कि मैं तो मजाक कर रहा था.
वह बोला- चलो कोई बात नहीं, ऐसा होता है.

मैं उसके साथ आंखें नहीं मिला पा रहा था. उसने बताया कि वह आईलेट्स करना चाहता है. मैंने भी आईलेट्स करने को बोल दिया.

अगले दिन हम कोई अच्छा सा इंस्टिटचूट देखने गए, हमने बहुत सारे इंस्टिटचूट्स देखे, पर कोई खास पसंद नहीं आया. आखिर में हमने ईस्कूल में एडमिशन करवा लिया. हम रोजाना वहां जाने लगे.

मैं दिल्ली उसके साथ बाइक पर जाता, मैं बाइक पर उसके पीछे हग करके बैठता किसी के

पीछे बैठकर हग करने में बहुत मजा आता है. उसे इरिटेशन भी होती थी वह बोलता कि ऐसे पब्लिक में अच्छा नहीं लगता.
मैं बोला कि मैं तुमसे प्यार करता हूं.
वह बोला- हट पगले उतर जा … सेंटर आ गया है.
हम उतरे और पढ़ने चले गए.

मैं आपको एक बात बता दूं, मैं उससे प्यार तो करता था और सिर्फ प्यार ही करना चाहता था. मैंने किसी तरह के फिजिकल रिलेशन के बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचा था. अब तो वह मुझसे प्यार करने लगा था. मुझे बहुत अच्छा लगा.

एक बार तो मुझे वह मुझे सरप्राइस किस भी कर देता था, मुझे बहुत मजा आता था. वह बातों-बातों में अचानक किस कर लेता और मेरा मुँह खुला का खुला रह जाता. मुझे अजीब-अजीब इशारे भी करने लगा था, पर मुझे समझ नहीं लगी कि वह क्या कहना चाहता है.

एक दिन वह मुझसे बोला- एक लिप किस कर लूं ?
मैंने कहा- तुम्हें पूछने की कोई जरूरत नहीं है.

उसने पहले मेरे होठों को उंगली से टच किया, जैसे लिपस्टिक लगाते हैं. वैसे वह हाथ फिरा रहा था और एक हाथ से मेरा हाथ से हिला रहा था. सच बताऊं तो मैं जन्नत में था.

उसने किस करना स्टार्ट किया. स्मूच करते-करते 15-20 मिनट हो गए. मेरे लिप्स में पेन होने लग गया था. मैंने उससे पीछा छुड़ाया और कहा कि कितना टाइम हो रहा है.
हम नॉर्मल हुए और घर को चल दिए.

काफी टाइम हो गया था. मैं घर जाते ही लेट गया, पता ही नहीं चला कि कब नींद आ गई.

करीब 11:30 बजे फोन की घंटी बजी. साहिल की ही कॉल आ रही थी. मैंने फोन उठाया.
हैलो बोलते ही कान में आवाज आई- लव यू अंसार !
मेरी मुस्कुराहट खुद-ब-खुद होठों पर आ गई.

वह बोला- मुझे नींद नहीं आ रही, अगर तुम मेरे पास होते तो मैं तुम्हें हग करके सोता.
यह सुनते ही मेरी आंखों में आंसू आ गए वह बोला- पगली रो क्यों रहा है मुझे भी रुलाएगा क्या ?
मैं सुबकने लगा था.
साहिल बोला- चलो स्माइल करो.
मैं भी हंस दिया, वह बोला- हां अब मुझे अच्छे से नींद आ जाएगी.

मैंने फोन डिसकनेक्ट किया और सोने लगा, पर काफी देर तक मुझे नींद नहीं आई.
मैं उसके बारे में ही सोचता रहा. पता नहीं चला कि कब मेरी आंख लग गई.
सुबह मुझे साहिल का मैसेज मिला 'गुड मॉर्निंग माय लव..'
मैंने भी उसे मैसेज किया 'थैंक्यू फॉर कमिंग इन माय लाइफ गुड मॉर्निंग.'

एक दिन संडे वाले दिन मैं घर पर अकेला था. मेरे पेरेंट्स कहीं गए हुए थे साहिल ने कॉल किया कि तुम घर पर हो तो मैं आ जाऊं ?
मैंने कहा- हां आ जाओ.
मैं उस वक्त घर पर उसका इन्तजार करने लगा था.

दस मिनट बाद वो आया और बोला- अन्दर आने को नहीं बोलोगे ?
मैंने कहा- हां हां आओ यार, तुम्हें पूछने की कोई जरूरत नहीं है.
वह बोला- ओके थैंक्स.
मैंने कहा- तुम सोफे पर बैठो, मैं तुम्हारे लिए पानी लेकर आता हूं.

मैंने उसे पानी पिलाया और वह बोला कि मैं अभी जिम से आया हूँ.. काफी थकान हो रही है. अगर तुम चाहो तो मैं 10 मिनट रेस्ट कर लूं.
मैंने कहा- हां हां कर लो यार.
मैं उसे अपने कमरे में ले गया.
वह बोला- ओके थैंक यू..

वह मेरे बेड पर लेट गया और पता नहीं कब उसकी आंख लग गई. मैंने उसके माथे पर किस किया और किचन में उसके लिए कुछ बनाने चला गया. मैंने उसके लिए 3 सैंडविच और जूस बना लिया.

दस मिनट की नींद के बाद वह जोर से आवाज देते हुए बोला- अंसार कहां हो यार ?
मैंने कहा- आ रहा हूं.
मैं सैंडविच और जूस लेकर रूम में चला गया.

वह बोला- वाह यार, तुमने बनाया है ?
मैंने कहा- हां.. मैंने अपने हाथों से बनाया है.

वह मुँह हाथ धो कर आ गया और सैंडविच खाने लगा. वह बोला- बोर क्यों कर रहे हो.. यार टीवी चला लो ना.
मैंने टीवी ऑन कर दिया. मैंने पूछा- कौन सा चैनल लगाऊं ?
वह बोला- जो तुम चाहो, वही लगा लो.
मैंने सैट मैक्स लगा दिया. उस पर हेट स्टोरी 2 चल रही थी.
वह बोला- चलने दो.

उसने सैंडविच और जूस खत्म कर दिया और बेड पर लेट गया. मैं भी उसके साथ ही लेट गया.

वह मुझे हग कर कर बैठा था, उसने मेरे लिप्स पर किस करना और स्मूच करना स्टार्ट किया. मुझे बहुत मजा आ रहा था. लेकिन पिछली किस के कारण होठों में दर्द हो रहा था, पर मैं साहिल के लिए कुछ भी कर सकता था.

दस मिनट की किस के बाद उसने कहा- शर्ट उतारो.
मैंने अपनी शर्ट उतार दी.
वह बोला- तुम्हारे माउंट्स बहुत अच्छे हैं. और दबाने लग गया. वह मेरे निप्पल्स भी दबाने लगा.

मैंने कहा- छोड़ दो, दर्द हो रहा है.
उसने लंबी सी किस की और छोड़ दिया. उसने अपना हाथ अपनी पैंट पर रखवा दिया.

वह बोला- अपने पूरे कपड़े उतार दो.
मैंने कहा- नहीं यार मैं तुम्हारे साथ ऐसा नहीं कर सकता, मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं, पर मैंने फिजिकल रिलेशन के बारे में अभी तक कुछ नहीं सोचा है.
वह बोला- तुम टेंशन मत लो कुछ नहीं होगा.
मैंने कहा- बहुत दर्द होगा यार.. मैंने अभी तक किसी के साथ ट्राई नहीं किया. मैं तुमसे सिर्फ प्यार करता हूं और प्यार ही करना चाहता हूं.
वह बोला- यह भी तो एक प्यार का ही रूप है.
मैंने कहा- नहीं यार प्लीज मैं यह नहीं कर सकता.

वह बोला- मैं आखिरी बार पूछ रहा हूं.
मैंने फिर मना कर दिया, वह गुस्सा हो कर चला गया. मैंने उसे कितनी कॉल से और कितने मैसेज किए, पर उसने एक का भी रिप्लाई नहीं दिया.

अगले दिन मैंने उससे जबरदस्ती हाथ मिलाया और उसे जफ्फी पा ली.

वह बोला- छोड़ो यार.
मैंने कहा- मुझसे अभी भी गुस्से में हो यार ?
वह बोला- नहीं गुस्सा नहीं हूं.
मैंने कहा- सॉरी यार.
वह बोला- इट्स ओके.
मैंने कहा- मैं अब तुमसे रिलेशन बनाने के लिए तैयार हूं.
वह बोला- नहीं अब मुझे कोई जरूरत नहीं है.

मैं इमोशनल हो गया और रोने लगा. उसने मेरी आंखों से आंसू पौंछे और बोला चल पगले यार क्लास में चलते हैं.

हम दोनों क्लास में चले गए उसने मुझे क्लास में भी ज्यादा नहीं बात की और क्लास खत्म होते ही सीधा घर पर चले गए.
उसकी इस बात ने मुझे दिल पर बहुत गहरी चोट दी. मैं अगले दो-तीन दिन क्लास के लिए नहीं गया.

उसने मुझे कॉल किया- अंसार कहां हो ? क्लास में नहीं आते ?
मैंने कहा- मैं ठीक नहीं हूं.
वह बोला- तुम घर पर हो, मैं अभी आता हूं ?
मैंने कहा- इतना ज्यादा भी बीमार नहीं हूं. बस पेरेंट्स बाहर गए है इसलिए नहीं आ रहा हूँ.
वह बोला- फिर भी तुम मेरे दोस्त हो, मैं घर आ रहा हूं.

यह बोलकर वह दस मिनट में हमारे घर पर आ गया. उसने बेल बजाई. अन्दर आकर उसने पूछा- कैसे हो ?
मैंने कहा- अभी मैं ठीक हूं.

उसने मेरे गालों पर हाथ लगाया और बोला- तुम्हें तो अभी भी बुखार है.
मैंने कहा- दवाई दवाई ले ली है, ठीक हो जाऊंगा.
वह बोला- ओके.
मैंने कहा- आओ कमरे में बैठते हैं.

मैं उसके लिए कॉफी बनाने चला गया वह भी मेरे पीछे-पीछे आ गया.
उसने पूछा- क्या कर रहे हो ?
मैंने कहा- तुम्हारे लिए कॉफी बना रहा हूं.
वह बोला- तुम रुको, मैं हम दोनों के लिए कॉफी बना लेता हूं.
मैं साइड में हो गया, वह कॉफी बनाने लग गया. उसे मेरे लिए कॉफी बनाते देखकर मुझे बहुत खुशी हुई.

हम दोनों कमरे में आ कर कॉफी पीने लग गए, कॉफी खत्म होते ही मैंने साहिल से बोला- एक बात बोलूं ?
वह बोला- तुम्हें पूछने की कोई जरूरत नहीं है, तुम बेझिझक बोलो.
मैंने कहा- तुम आंखें बंद करो.

उसने अपनी आंखें बंद कर लीं, मैंने उसकी लिप्स पर एक जोरदार किस की और वह मुस्कुराने लगा.

मैंने कहा- मैं तुम्हारे साथ सेक्स के लिए तैयार हूं, पर मेरे साथ कभी भी गुस्सा मत होना.
वह बोला- मैं तुम्हारे साथ गुस्सा तो पहले भी नहीं था, अगर तुम चाहो तो कर सकते हो, अगर नहीं चाहते तो सेक्स नहीं करो.

यह बोलते ही उसने स्मूच स्टार्ट कर दिया.
हमने एक लंबी किस और उसमें बहुत मजा आया.

वह बोला- अपने कपड़े उतारो.
मैंने कहा- यार मुझे बहुत डर लग रहा है.
वह बोला- डरो मत, मैं तुम्हारे साथ हूं.

उसने फिर किस करना स्टार्ट कर दिया, मैंने अपनी शर्ट उतार दी.
वह मेरी निप्पल्स दबाने लगा, मुझे बहुत मजा आ रहा था और साथ ही थोड़ा थोड़ा दर्द भी हो रहा था.
मेरे मुँह से आह निकलने लगी थी.

उसने लिप्स किस करते हुए अपना हाथ मेरी गांड पर रख दिया और मेरा हाथ अपने लंड पर रख दिया.

मैं उसका लंड सहलाने लगा.
देखते ही देखते उसका लंड बड़ा हो गया.
मैं उसका लंड देखकर डर गया.

वह बोला- डरो मत, कुछ नहीं होगा.
उसने बोला- अगर तेल है, तो ले आओ.

मैं बाथरूम में गया और तेल की बोतल ले आया. उसने तेल की बोतल पकड़ी और थोड़ा सा तेल अपने लंड पर लगा दिया और उंगली से मेरी गांड पर भी लगवा दिया.
मुझे उसके तेल लगाने से बहुत मजा आया.

उसने अपना लंड मेरी गांड के छेद पर टिकाया और धीरे-धीरे हिलाने लगा. मुझे बहुत मजा आ रहा था, पर उसने मेरे मुँह पर हाथ रखा और एकदम जोर से धक्का लगा दिया.
उम्म्ह… अहह… हय… याह… दर्द के कारण मेरी आंखों से आंसू बहने लगे, कराहें भी

निकलने लगी थीं.

मैं चीखना चाहता था, पर मेरी आवाज वहीं दब कर रह गई.
उसका लंड मेरी गांड फाड़ते हुए अन्दर तक समा गया. मुझे बहुत दर्द हो रहा था.

उसने मेरा मुँह पीछे किया और लिप्स पर किस करने लगा.
धीरे-धीरे दर्द कम हो गया.

उसने डॉगी स्टाइल में मुझे काफी देर तक चोदा और फिर खड़ा हो कर भी चोदा. मुझे बहुत मजा आ रहा था. दर्द धीरे-धीरे गायब हो गया था.

लम्बी चुदाई के बाद उसका रस निकल गया उसने मेरे साथ एक लंबी किसकी और कपड़े पहन लिए और मेरे कपड़े भी पहना दिए.
वह हाथ मुँह धो कर बेड पर बैठ गया.

मैं उसके लिए और अपने लिए जूस बनाकर ले आया.

हम दोनों जूस पीने लगे और वह बोला कि अब मैं चलता हूं.
उसने मुझे किस किया और जोर से हग किया. बोला- आई लव यू टू मच..
मैंने भी उसे ‘आई लव यू जान..’ कहा और वह कपड़े सही करके बाइक पर बैठ कर अपने घर चला गया.

तो दोस्तो, यह थी मेरी पहली और आखिरी लव एंड सेक्स स्टोरी, यह गांड चुदाई की कहानी बिल्कुल सच है, इसमें टेस्ट के लिए कुछ भी नहीं डाला गया, जो कुछ भी हुआ है, सिर्फ सच्चाई है.

मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि अगर आप भी किसी से सच्चा प्यार करते हैं, तो उसको

कभी भी शिकायत का मौका ना दें. हो सकता है, जो मौका मुझे दोबारा मिला, शायद आपको ना मिले.

मेरी स्टोरी कैसी लगी, प्लीज मेल कीजिएगा.. धन्यवाद. मेरा ईमेल एड्रेस नीचे दिया हुआ है.

Other stories you may be interested in

प्रेम की रसधार में चूत चुदाई का मजा- 3

गर्लफ्रेंड सेक्स प्ले के लिए तैयार थी लेकिन हमें मौक़ा नहीं मिल रहा था. एक बार उसके घर वाले सब बाहर गए तो उसने मुझे अपने घर बुला लिया. तब हमने क्या कौतुक किये ? दोस्तो, कहानी के पिछले भाग विवाहिता […]
Full Story >>>

मेरे दोस्त ने मेरी बहन की गांड मारी

गर्ल की गांड मार चुदाई कहानी में मेरे ख़ास दोस्त ने मेरी मौसी की बेटी के साथ मेरे ही घर में पटा कर सेक्स का मजा लिया. और उसने चूत नहीं चोदी बल्कि उसकी गांड मारी पहली बार में ! दोस्तो, […]
Full Story >>>

मजे की चाहत बन गई सजा

मेरी गांड फट गयी जब मैंने अपनी गांड में लैब में इस्तेमाल होने वाली टेस्ट ट्यूब घुसा ली. पर मैं उसे निकाल नहीं पाया. जितनी कोशिश करता, वह और अंदर घुसती जाती. मेरी पिछली कहानी थी : जूनियर लड़के से गांड […]
Full Story >>>

मेरी सनसनी भरी कामुक बस यात्रा- 4

गांड फाड़ चुदाई बस में मेरी तो हुई ही … मेरी गांड मारने वाले युवक की जवान बीवी की गांड मारने का अवसर मेरे पति को मिल गया. मेरे पति का लंड लम्बा और मोटा है तो उसकी गांड फट […]
Full Story >>>

अनाथ लड़के का यौन जीवन- 2

मैंने गरम गांड मैडम की मारी. मैडम ने मुझे सेक्स का मजा लेने ही बुलाया था. मैंने पहले उनकी चूत चुदाई की. फिर मैंने उनकी गांड देखि तो उसमें रबड़ की कुछ काली चीज घुसा रखी थी. दोस्तो, मैं रतन […]
Full Story >>>